भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 708
गुरुवार, 24 जुलाई, 2025/2 श्रावण,1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

क्षेत्रीय हवाई संपर्क में वृद्धि

708. श्री राजू बिष्ट:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा पश्चि म बंगाल में क्षेत्रीय हवाई संपर्क और सामर्थ्य बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
(ख) पश्चिम बंगाल के विशेष संदर्भ में क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) के अंतर्गत इसकी शुरुआत से लेकर अब तक कितने यात्रियों ने यात्रा की है और कितनी उड़ानें संचालित की हैं;
(ग) वि शेषकर पश्चिम बंगाल में उक्त योजना के अंतर्गत प्राथमिकता के आधार पर विकास के लिए किन विशिष्ट क्षेत्रों या विमानपत्तनों को चिह्नित किया गया है; और
(घ) सरकार द्वारा संपूर्ण देश में क्षेत्रीय हवाई संपर्क में दीर्घकालिक स्थिरता और समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): सरकार ने टियर-2 और टियर-3 शहरों में असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार करके क्षेत्रीय हवाई संपर्क को सुविधाजनक बनाने/संवर्धित करने के लिए 21-10-2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना- उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) शुरू की। अभी तक 637 आरसीएस मार्गों को प्रचालनशील किया जा चुका है। इस योजना ने देशभर में 92 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों को जोड़ा है।

इस योजना के अंतर्गत 15 जुलाई, 2025 तक पश्चिम बंगाल सहित देशभर में कुल 153.59 लाख घरेलू यात्री, 3.14 लाख से अधिक आरसीएस उड़ानों में यात्रा कर चुके हैं।

(ग): उड़ान एक बाजार- संचालित योजना है, जिसमें और अधिक गंतव्यों और मार्गों को कवर करने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया आयोजित की जाती है। वैध बोली के माध्यम से इसकी पहचान होने और चयनित एयरलाइन प्रचालक (एसएओ) को अवार्ड किए जाने पर असेवित और अल्पसेवित हवाईपट्टियों का पुनरुद्धार/उन्नयन किया जाता है। पश्चिम बंगाल में अभी तक दुर्गापुर, कूच बिहार, बर्नपुर, मालदा, कलाईकुंडा और हाशिमारा की विकास और आरसीएस उड़ानों परिचालन के लिए पहचान की गई है।

(घ): मार्गों की दीर्घकालिक संधारणीयता में सुधार और इन मुद्दों के समाधान के लिए, सरकार एयरलाइनों को व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) प्रदान करती है, क्षेत्रीय हवाईअड्डों के उन्नयन में सहायता करती है और परिचालन संबंधी लचीलेपन को प्रोत्साहित करती है। इसके अलावा, एयरलाइन की विफलता जैसे विभिन्न कारणों से पिछले चरणों में

बंद किए गए पात्र मार्गों पर भी बाद के चरणों में पुनः बोली लगाई जाती हैं, उन्हें अवार्ड किया जाता है और कार्यशील किया जाता है।

******